# किशोरी सुंदरी श्यामा तूही सरकार मेरी है

किशोरी सुंदरी श्यामा, तूही सरकार मेरी है।
नहीं है और से मतलब फकत इक आस तेरी है॥

किशोरी सुंदरी श्यामा, मुझे विरहा ने घेरी है।
दर्श की जो कृपा कीजो, की काहे को देरी है॥

टहल बक्शो महल निज की, विनय कर जोर मेरी है।
सरस यह माधुरी दासी, तेरे चरणों की चेरी है॥

**स्वर** : श्री बलदेव कृष्ण सेहगल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/137/title/kishori-sundari-shyama-tuhi-sarkar-meri-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |